



Literacy for a Billion

Movie: Ijaazat

Year: 1988

Song: Khali Hath Sham Aayi Hai

Lyricist: Gulzar

ख़ाली हाथ शाम आई है

ख़ाली हाथ शाम आई है

ख़ाली हाथ जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

आज भी ना आया कोई

आज भी ना आया कोई

ख़ाली लौट जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

ख़ाली हाथ जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

आज भी ना आए आँसू

आज भी ना भीगे नैना

आज भी ना आए आँसू

आज भी ना भीगे नैना

आज भी ये कोरी रैना

आज भी ये कोरी रैना

कोरी लौट जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

ख़ाली हाथ जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

रात की सियाही कोई

आए तो मिटाए ना

रात की सियाही कोई

आए तो मिटाए ना

आज ना मिटाए तो ये

आज ना मिटाए तो ये

कल भी लौट आएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

ख़ाली हाथ जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

आज भी ना आया कोई

आज भी ना आया कोई

ख़ाली लौट जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

ख़ाली हाथ जाएगी

ख़ाली हाथ शाम आई है

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*